आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड 3/अंक 5/दिसंबर 2023

अनुक्रमणिका

संपादकीय — प्रो. प्रतिभा मुदलियार — 456-458

शोधालेख

- शशिप्रभा शास्त्री कृत 'परसों के बाद' उपन्यास में प्रतिभा निर्यात की समस्या — डॉ. कविता वि चांदगुडे — 459-463
- हिंदी की शिक्षा में अनुसंधान का योगदान (महाविध्यालय के स्तर पर) — डॉ. कविता वि चांदगुडे — 464-467
- फीजी हिंदी भाषा प्रलेखन की दशा-दिशा — डॉ. सुभाषिनी लता कुमार — 468-472
- दूरदर्शन में हिंदी भाषा का अस्तित्व एवं प्रासंगिकता — रूबी पाण्डेय — 475-479
- समकालीन हिंदी कविता में महानगरों का यथार्थ चित्रण — सच्चिदानन्द मिश्र — 480-488
- उपन्यास-यात्रा और किशोरीलाल गोस्वामी — डॉ.चैताली सिन्हा — 490-507
- जनतंत्र से सवाल करती धूमिल की कविताएँ — डॉ. विजय कुमार वर्मा — 508-515
- हमदर्दी की बेतुकी ('मेरे हमदम मेरे दोस्त' कहानी के विशेष संदर्भ में) — केसरबेन राजपुरोहित — 516-519
- पहली सदी के हिन्दी नाटकों में स्त्री की समस्याएँ — डॉ. सुनीथा गोपाल नारायणकर — 520-523

- स्त्री विमर्श-एक अवलोकन श्री कुपेन्द्र आर राठोड़ 524-527
- नरेंद्र कोहली के रामचरित्र आधारित उपन्यासों में जीवन मूल्य डॉ. मल्लिकार्जुन एन 528-534

लेख

- राष्ट्र कवि सुब्रह्मण्यम भारती प्रो.प्रतिभा मुदलियार 535-537
- हिंदी तथा कन्नड़ काव्य में स्त्री चिंतन डॉ नागरत्ना एन राव 538-543
- झोपड़ी से शिखर तक : प्रो.एच.टी.पोते डॉ.गोखले पंचशीला 538-546

समीक्षा

- 'बूंद-बूंद पानी' काव्य कृति की समीक्षा डॉ. प्रभु वि. उपासे 547-552

कविताएं

- अख़बार और इश्तिहार अनिल कुमार केसरी 553-554
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविता "स्वतंत्रता" डॉ.अवधेश नारायण 555-556
- दर्द "सभीका" बोल रहा है! अमिता रविदुबे 557-558

****